



ले गओ चीर कन्हैया- मैं के से कहूँ ॥२॥

जल- बिच साखियाँ- खड़ी हैं उधारी ॥२॥

हँस रओ, हँस रओ.

हँस रओ वंशी बजैया--

मैं के से कहूँ

ले गओ-----

चीर हमारे दे-दो मुरारी ॥२॥

हँस के- हँस के

हँस के ले हो बलैयाँ--

मैं तो से कहूँ

ले गओ-----

सब के चीर जबई हम दे हैं ॥२॥

हो जा- हो जा

हो. जा. जल से न्यारी--

मैं तो से कहूँ-

ले गओ-----

नटखट नंदबाबा को हौना ॥२॥

चुटकी- चुटकी

चुटकी उड़ावे चिरैयाँ.

में के से कहूँ

ले गओ- - -

काय "श्रीबाबाश्री" भयो इतनो हठीलो ॥२॥

ऊँगन- ऊँगन

ऊँगन लागी जुंघैया

में के से कहूँ

ले गओ- - -